भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1697
उत्तर देने की तारीख-10/03/2025

भवन, शिक्षक, प्रयोगशाला और बैठक – व्यवस्थाविहीन केन्द्रीय विद्यालय

1697. श्रीमती मंजू शर्मा:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में ऐसे केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या कितनी है जहां न तो भवन हैं और न ही शिक्षक, तथा प्रयोगशाला और बैठने की पृथक् व्यवस्था भी नहीं है;
(ख) देश में ऐसे विद्यालयों की संख्या कितनी है जिनके भवनों का पुनर्निर्माण किए जाने की आवश्यकता है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): वर्तमान में, देश भर में 1253 केन्द्रीय विद्यालय (केवि) कार्य कर रहे हैं, जिनमें से 1098 केवि सिविल/रक्षा क्षेत्र में हैं और शेष 155 केवि परियोजना क्षेत्र/उच्चतर शिक्षण संस्थानों (आईएचएल) में हैं। सभी 1253 केवि या तो केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविस.)/परियोजना/आईएचएल प्राधिकारियों द्वारा निर्मित स्थायी भवनों में या प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थायी भवनों में चल रहे हैं और केविसं के मानदंडों के अनुसार उनमें अपेक्षित संख्या में शिक्षक, कक्षाएं, प्रयोगशालाएं जैसी बुनियादी सुविधाएं और पर्याप्त बैठने की व्यवस्थाएं हैं।

(ख) और (ग): केविसं से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इमारतों की उम्र बढ़ने के कारण टूट-फूट होना सामान्य बात है और वर्तमान में देश में 13 केवि भवनों को संरचनात्मक लेखा परीक्षा के अनुसार नवीनीकरण/प्रतिस्थापन की आवश्यकता है। उपरोक्त 13 केवि में से 08 केवि भवनों नवीनीकरण/निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और 05 केवि भवनों डीपीआर चरण में हैं। इन केवि के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्र. सं.	केवि के नाम
उत्तर प्रदेश	1.	नं. 1, एएफ़एस आगरा
	2.	नं 2, आगरा केंट
	3.	मथुरा कैंट
महाराष्ट्र	4.	ओएफ़ चंदा
	5.	एएफएस ठाणे
	6.	पुलगांव कैंप
	7.	नं 1, देहू रोड
असम	8.	एएफएस, जोरहाट
	9.	एएफएस, बोरझार
	10.	नं.1, एएफएस, तेजपुर
सिक्किम	11.	गंगटोक
हरियाणा	12.	झज्जर
दिल्ली	13.	सेक्टर-8, आर.के. पुरम

*****